आदर्श कॉलेज राजधनवार, गिरिडीह

आंतरिक परीक्षा (हिंदी जी. ई.)

<u>प्रथम समसत्र</u>

अंक- 20

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये---

1- हिंदी नाटक के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिये।

2- हिंदी कहानी की विकास यात्रा का विश्लेषण कीजिये।

3- हिंदी उपन्यास के विकास क्रम का वर्णन कीजिये।

4- प्रेमचंद का जीवन एवं साहित्यिक परिचय दीजिये।

आदर्श कॉलेज राजधनवार, गिरिडीह।

आंतरिक परीक्षा(हिंदी जी. ई.)

द्वितीय समसत्र

अंक- 20

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये-

1. हिंदी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास का विस्तृत उल्लेख कीजिये।
2. पूर्वी एवं पश्चिमी हिंदी की बोलियों का परिचय दीजिये।
3. राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं संपर्कभाषा के रूप में हिंदी का स्थान निरुपित कीजिये।
4. देवनागरी लिपि के गुण और दोष पर विस्तार से चर्चा कीजिये।

आदर्श कॉलेज राजधनवार,गिरिडीह।

आंतरिक परीक्षा (हिंदी जी. ई.)

तृतीय समसत्र

अंक- 20

किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये-

1. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का जीवन और साहित्यिक परिचय दीजिये।
2. सुमित्रानंदन पंत की कविता **भारत माता** का भावार्थ लिखिए।
3. नागार्जुन की कविता **सिंदूर तिलकित भाल** की समीक्षा कीजिये।
4. जनकवि के रूप में बाबा नागार्जुन को स्थापित कीजिये।

आदर्श कॉलेज राजधनवार,गिरिडीह।

आंतरिक परीक्षा (हिंदी जी. ई.)

चतुर्थ समसत्र

अंक- 20

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये-

1. **पूस की रात कहानी** की कथावस्तु लिखिए।
2. कहानी कला की दृष्टि से **गुंडा** कहानी की समीक्षा कीजिये।
3. जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय दीजिये।
4. रेखाचित्र लेखक के रूप में रामवृक्ष बेनीपुरी का मूल्यांकन कीजिये।